कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय डॉ.इन्द्रजीत सिंह महाविद्यालय, अकलतरा
जिला– जांजगीर–चांपा (छ.ग.)

वार्षिक प्रतिवेदन सत्र् 2022–23

डॉ.इन्द्रजीत सिंह महाविद्यालय अकलतरा छत्तीसगढ़ राज्य के जिला – जांजगीर–चांपा मुख्यालय से लगभग 30 किमी की दूरी पर अकलतरा तहसील में स्थित है। इस महाविद्यालय की स्थापना सत्र् 1984 में हुई थी, तब से लेकर आज दिनांक तक इसने निरंतर शिक्षा के स्तर में विकास हेतु अपना सक्रिय एवं बहुमुल्य योगदान दिया है। सत्र् 2022–23 में 1694 छात्र–छात्राएं इस महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहें है तथा इनमें से बहुत से आज समाज व देश के विकास में अपनी भूमिका निभा रहें है।

वर्तमान स्थिति – वर्तमान में महाविद्यालय के पास अपना एक सुन्दर भवन है जिसमें 16 कक्ष, पांच शौचालय, एक ग्रंथालय जिसका अपना एक रीडिंग रूम है। खेल का मैदान उपलब्ध है, खेल विभाग में एक जीम हॉल है जिसका उपयोग छात्र–छात्राएं करते है। महाविद्यालय में प्राध्यापकों के पांच पद, सहायक प्राध्यापक के 13 पद, कीड़ाधिकारी के एक पद, ग्रंथपाल के एक पद स्वीकृत है जिनमें सहायक प्राध्यापक, कीड़ाधिकारी, ग्रंथपाल मौजूद है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में गैर शैक्षणिक स्टॉफ, बुक लिफ्टर, स्वीपर, अतिथि व्याख्याता एवं स्ववित्तीय योजनांतर्गत रखे गये चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अपनी सेवा प्रदान कर रहें है।

नवाचार –

1. महाविद्यालय में स्वच्छता निरीक्षण कमेटी का गठन किया गया है जो कि महाविद्यालय में स्वच्छता के कार्यों के लिये पूर्णतः उत्तरदायी है। पूरे महाविद्यालय में सफाई को लेकर इस कमेटी का विशेष योगदान है।
2. महाविद्यालय में वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राए, प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण स्वयं का लेख, कविता, कहानी, प्रहसन, महत्वपूर्ण विषय वस्तु का समावेश आदि लेखों का सफल प्रकाशन किया जाता है।
3. महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिये एक कैंटिन की व्यवस्था की गयी है जिसमें विद्यार्थी अपनी जरूरत की व पसंद की चीजे प्राप्त करते है। इस कैंटिन का संचालन कोई बाहरी व्यक्ति नहीं करता बल्कि पूर्व छात्र जो अभी बेरोजगार है वे संचालित करते है। विद्यार्थी अपने जरूरत के अनुसार उचित मूल्य पर समान प्राप्त करते है।
4. प्रत्येक विद्यार्थी को फोटो युक्त पहचान पत्र महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये है।

5. महाविद्यालय की स्वच्छता हेतु महाविद्यालय के मुख्य गेट के बाहर और अंदर डस्टबिन की व्यवस्था की गयी है।

6. अध्यापन के बाद खाली समय में रीडिंग रूम के लिये निर्धारित है ताकि छात्र–छात्राओं की अध्ययन में रूचि उत्पन्न हो और शोध के प्रति उनकी रूचि बढ़े।

7. योग शिक्षा पर महाविद्यालय में विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय योग दिवस एवं अन्य दिवस पर जैसे रासेयो का विशेष शिविर आदि को बाहर से योगाचार्य आमंत्रित कर योग की शिक्षा प्रदान की जाती है।

8. महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गयी है जिसमें विभिन्न विषयों के विद्वान प्राध्यापकों जो लाइवलीहुड कालेज जांजगीर द्वारा कोचिंग दिया जाता है।

मक कार्य –

1. महाविद्यालय के पास 18 एकड़ भूमि है जिसमें महाविद्यालय भवन के साथ–साथ मैदान में वृहत रूप में पौधा रोपण, वानस्पतिक उद्यान, खेल मैदान आदि बनाया गया है।

2. महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बैठने के लिये पर्याप्त मात्रा में बेंच व टेबल उपलब्ध है। विज्ञान संकाय में ग्रीन बोर्ड, मीटिंग हॉल में एक स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर आदि जरूरत की चीजे उपलब्ध है।

3. अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति योजना संचालित है जिसका लाभ इन वर्गों के छात्र–छात्राओं द्वारा लिया जा रहा है। इन छात्रों को निःशुल्क स्टेशनरी प्रदान की जाती है।

4. महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिये अलग–अलग शौचालय की व्यवस्था है जिसमें जल आपूर्ति, साफ सफाई आदि की व्यवस्था है।

5. महाविद्यालय में डीसीए, पीजीडीसीए की कक्षाएं संचालित है। यहां लगभग 40 कम्प्यूटर इनके प्रयोगशाला में लगवाया गया है।

6. शुद्ध पेयजल हेतु चार प्यूरीफायर वाटर कूलर की व्यवस्था की गयी है जिसमें से एक वॉटर कूलर के.एस.के. प्लांट नरियरा के सौजन्य से लगाया गया है।

7. महाविद्यालय खेल मैदान में चारों तरफ बाउंड्रीवॉल निर्माण किया जा रहा है।

8. महाविद्यालय में वाई फाई की सुविधा है जिसका लाभ विद्यार्थियों को मिल रहा है।

1. महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजन दिनांक 10.02.2023 को आयोजित किया गया। जिसका लाभ प्राध्यापकों, शिक्षाविदो, शोध विद्यार्थियों और महाविद्यालय के छात्र–छात्रा को प्राप्त हुआ।

2. महाविद्यालयों के शैक्षणिक नवाचारों पर आधारित विभिन्न विषयों में राष्ट्रीय संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन किया गया है।

3.. राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर में विभिन्न परियोजनाओं पर स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा कार्य किया गया।

4. महाविद्यालय में वेल फेयर फाउंडेशन एवं केडिया फाउंडेशन द्वारा रोजगार हेतु केम्पस सलेक्सन किया गया जिसमें कई छात्र–छात्राओं द्वारा को लाभ प्राप्त हुआ।

5. महाविद्यालय में इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा छात्र–छात्राओं को स्वयं की रक्षा हेतु कराटे का प्रशिक्षण दिया गया।

6. हिन्दी दिवस में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न कवियों, साहित्यकारों की जीवनियों पर प्रकाश डाला गया। युवा दिवस पर महाविद्यालय में वृहत रूप में कार्यक्रम आयोजित किये गये।

7. जिला में कोविड–19 कोरोना जैसे महामारी फैलने के कारण शासन एवं कलेक्टर द्वारा कुछ समय के लिये शिक्षण कार्य को बंद कर दिया गया। इस दौरान सभी छात्र–छात्राओं को गुगल मीट एवं जूम के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण कार्य कराया गया।

8. महाविद्यालय में एल्युमनी समिति के सदस्यों द्वारा विद्यार्थियों के टैलेंट में वृद्धि करने के लिये उन्हे समय–समय पर प्रमोट करने का कार्य किया जाता है।

9. चूंकि महाविद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है यहां अधिकांश विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्र से अध्यापन हेतु आते है जो अंग्रेजी ठीक से नहीं समझ पाते उनके लिये अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा स्पोकन इंग्लिश क्लास ली जाती है।

10. महाविद्यालय के कई पूर्व छात्र–छात्राएं विभिन्न विभागों में सेवारत् है। कुछ सहायक प्राध्यापक हुएं है। कुछ स्कुल शिक्षा विभाग में है। कुछ वकील, समाज सेवा आदि क्षेत्रों में काम कर रहें है। इस महाविद्यालय के तीन सहायक प्राध्यापक पीएच.डी. डिग्री प्राप्त कर चुके है और तीन सहायक प्राध्यापक उक्त डिग्री प्राप्त करने के कगार पर है।

पुस्तकालय – महाविद्यालय के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों से संबंधित लगभग [illegible] पुस्तकें है। पुस्तकालय में विषय के पुस्तकों के अतिरिक्त विभिन्न पत्रिकाएं, रोजगार निर्माण, रोजगार समाचार, समाचार पत्र आदि उपलब्ध है। विद्यार्थियों के लिये अतिरिक्त कालखण्ड हो जाने के बाद या खाली समय में रीडिंग रूम में आकर विद्यार्थी अपनी रुचि की पुस्तकें पढ़ते है। स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिये विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था है।

समितियों का गठन – महाविद्यालय के सुचारू संचालन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया है जिसमें मुख्यतः जनभागीदारी समिति और एल्युमिनी समिति प्रमुख है। इस समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों के व महाविद्यालय के विकास के लिये कार्य करना है। जनभागीदारी समिति पंजीकृत है और एल्युमिनी समिति के पंजीयन हेतु शुल्क के साथ सभी अभिलेख पंजीयन कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया गया है।

शैक्षणिक गतिविधि –

1. सत्र की शुरूआत जून माह में हुई। महाविद्यालय में ऑनलाइन के माध्यम से विद्यार्थी प्रवेश आवेदन किये तथा मेरिट के आधार पर निर्धारित सीटों पर प्रवेश दिया गया।
2. महाविद्यालय में नवे प्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत समारोह के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाओं को बताया गया।
3. महाविद्यालय के प्राध्यापक द्वारा पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु भौतिक रूप से अध्यापन कार्य किया तथा माह जनवरी में एक माह ऑनलाइन कक्षा लेकर कोर्स पूर्ण करने का कार्य किया।
4. पर्यावरण दिवस के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां मनायी गयी। वृक्षारोपण किया गया तथा रासेयो द्वारा गोद ग्राम जाकर पौध रोपण किया गया।
5. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योग अभ्यास किया गया एवं योग आसन प्रतियोगिता के साथ योग आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।
6. महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गये।
7. महाविद्यालय द्वारा सेक्टर लेवल का खेलकूद प्रतियोगिता कराया गया जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं सहभागी हुए।
8. महाविद्यालय में वाई-फाई की सुविधा है जिसका लाभ विद्यार्थियों द्वारा ली जा रही है।

प्राचार्य
शास. डॉ. इन्द्रजीत सिंह महा. अकलतरा
जिला- जांजगीर-चांपा (छ.ग.)